



श्री लक्ष्मी के 108 नाम

प्रकृति, विकृति, विद्या, सर्वभूतहितप्रदा, श्रद्धा, विभूति, सुरभि,
परमात्मिका, वाक्, पद्मालया, पद्मा, शुचि, स्वाहा, स्वधा, सुधा,
धन्या, हिरण्मयी, लक्ष्मी, नित्यपुष्टा, विभावरी, अदिति, दिति,
दीपा, वसुधा, वसुधारिणी, कमला, कान्ता, कामाक्षी,
क्षीरोधसम्भवा, अनुग्रहप्रदा, बुद्धि, अनघा, हरिवल्लभा, अशोका,
अमृता, दीप्ति, लोकशोकविनाशिनी, धर्मनिलया, करुणा,
लोकमाता, पद्मप्रिया, पद्महस्ता, पद्माक्षी, पद्मसुन्दरी, पद्मोद्धवा,
पद्ममुखी, पद्मनाभप्रिया, रमा, पद्ममालाधरा, देवी, पद्मिनी,
पद्मगन्धिनी, पुण्यगन्धा, सुप्रसन्ना, प्रसादाभिमुखी, प्रभा,
चन्द्रवदना, चन्द्रा, चन्द्रसहोदरी, चतुर्भुजा, चन्द्ररूपा, इन्दिरा,
इन्दुशीतला, आह्लादजननी, पुष्टि, शिवा, शिवकरी, सत्या, विमला,
विश्वजननी, तुष्टि, दारिद्र्यनाशिनी, प्रीतिपुष्करिणी, शान्ता,
शुक्लमाल्याम्बरा, श्री, भास्करी, बिल्वनिलया, वरारोहा, यशस्विनी,
वसुन्धरा, उदाराङ्गा, हरिणी, हेममालिनी, धनधान्यकरी, सिद्धि,
स्त्रैणसौम्या, शुभप्रदा, नृपवेश्मगतानन्दा, वरलक्ष्मी, वसुप्रदा, शुभा,
हिरण्यप्राकारा, समुद्रतनया, जया, मङ्गलादेवी,
विष्णुवक्षस्स्थलस्थिता, विष्णुपत्नी, प्रसन्नाक्षी, नारायणसमाश्रिता,
दारिद्र्यध्वंसिनी, देवी, सर्वोपद्रववारिणी, नवदुर्गा, महाकाली,
ब्रह्माविष्णुशिवात्मिका, त्रिकालज्ञानसम्पन्ना और भुवनेश्वरी । ॥
श्रीलक्ष्मी अष्टोत्तरशतनामावली सम्पूर्णा ॥

और भी आरती व चालीसा देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

<https://bhaktimargdarshan.com/>

हम आशा करते हैं कि यह सामग्री आपके लिए उपयोगी रही होगी ।

अगर आपको यह पसंद आई हो, तो इसे अपने परिवार और मित्रों के साथ जरूर साझा करें ।

Bhakti Margdarshan

